प्रबन्धकों को निदेश जारी किये हैं, कि उन सब कर्मचारियों को, जिन्हें उनकी योग्यता के आधार पर सरकार द्वारा निर्धारित वेतनमानों के अनुसार वेतन नहीं दिया गया है, भूतलक्षी प्रभाव से उनके वेतन की बकाया राशि का तुरन्त भुगतान किया जाये ; और

(ग) यदि नहीं, तो इस सम्बन्ध में वैकल्पिक उपाय क्या किये गये हैं ?

शिक्षा मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री भागवत झा आजाद) : (क) से (ग) . सूचना एकत्रित की जा रही है तथा सदन के सभा-पटल पर यथा समय रख दी जाएगी ।

Unqualified Persons in C.S.I.R.

9444. SHRI C. DASS :
SHRI SRADHAKAR SUPAKAR :
SHRIMATI TARA SAPRE :

Will the Minister of EDUCATION be pleased to state :

(a) the number of Scientists working in the C. S. I. R. without post-graduate or research qualifications ; and

(b) the number out of them who draw an emolument of Rs. 1000 and above ?

THE MINISTER OF EDUCATION (DR. TRIGUNA SEN) : (a) and (b). Information is being collected and will be laid on the Table of the House.

Jamuna Barrage Bridge Near I.P. Power House, Delhi

9445. SHRI HARDAYAL DEVGUN : Will the Minister of TRANSPORT AND SHIPPING be pleased to state :

(a) the likely date when Jamuna Barrage bridge near I. P. Power House Delhi will be opened to traffic ;

(b) whether the approach roads have been completed ; and

(c) if not, the reasons for the dealy in the completion of approach roads ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF TRANSPORT AND SHIPPING (SHRI BHAKT DARSHAN) : (a) August, 1968.

(b) No, Sir ; but arrangements have been made to construct temporary approach roads so that traffic can use the bridge from August 1968 itself.

(c) Mainly difficulties have been experienced in acquiring some land required for the construction of the approaches due to court injunctions and delay caused by floods during the last monsoons.

सरकारी कर्मचारियों के विरुद्ध जांच

9446. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या गृह-कार्य मंत्री 13 दिसम्बर, 1967 के अतारांकित प्रश्न संख्या 4069 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रत्येक मंत्रालय के कितने राजपत्रित तथा कितने अराजपत्रित अधिकारियों के विरुद्ध केन्द्रीय जांच विभाग के विशेष पुलिस संस्थान द्वारा खुली जांच की गई थी;

(ख) प्रतिरक्षा सेवाओं के 605 कर्मचारियों में कितने गैर-कमीशन प्राप्त और उनमें कितने थल सेना के कितने नौसेना के तथा कितने वायु सेना के थे;

(ग) कितने मामले अभी तक असैनिक न्यायालयों में अनिर्णीत पड़े हैं तथा कितने सैनिक न्यायालयों में; और

(घ) उन राजपत्रित तथा अराजपत्रित कमीशन प्राप्त तथा गैर-कमीशन प्राप्त अधिकारियों की क्रमशः संख्या कितनी है जिनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही करने की विभागों को सलाह दी गई है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मन्त्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) 1965 से नवम्बर, 1967 तक के वर्षों के दौरान केन्द्रीय जांच ब्यूरो के एस० पी० ई० डिवीजन द्वारा लिये गये नये मामलों में ग्रस्त राजपत्रित अधिकारियों का मंत्रालयवार पृथक-पृथक ब्यौरा सभा पटल पर रखे गये विवरण 1 में दिया गया है । [पुस्तकालय में रख दिया गया । देखिये संख्या LT-1160/68]

(ख) 605 प्रतिरक्षा सेवाओं के कर्मचारियों का पृथक-पृथक ब्यौरा सभा पटल पर रखे गये विवरण II में दिया गया है। [**पुस्तकालय में रख दिया गया। देखिये संख्या** LT-1160/68]

(ग) सिविल कोर्टों में अभी तक 337 मामले अनिर्णित पड़े हैं तथा 2 मामले मिलिट्री कोर्टों में अनिर्णित पड़े हैं।

(घ) उन अधिकारियों की संख्या, जिनके विरुद्ध मामलों की सूचना सम्बन्धित विभागों को विभागीय कार्यवाही करने के लिए अब तक दी गई है, निम्नलिखित रूप में है :—

कमीशण्ड अधिकारी	—40
नान-कमीशण्ड अधिकारी	— 7
अन्य राजपत्रित अधिकारी	—521
अन्य अराजपत्रित अधिकारी	4905

पाकिस्तानियों से हथियार बरामद करना

9447. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या **गृह-कार्य** मन्त्री 6 दिसम्बर, 1967 के अतारांकित प्रश्न संख्या 3094 के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दो पाकिस्तानियों से पकड़े गये दो पिस्तौल और दस कारतूस पाकिस्तान के आयुध कारखानों में बने हुए थे अथवा भारतीय आयुध कारखानों में बने हुए थे;

(ख) क्या सरकार का विचार उन दो पाकिस्तानियों को उनके विरुद्ध चलाये जा रहे मुकदमे का निर्णय होने के बाद देश से निकालने का है; और

(ग) यदि नहीं, तो उन्हें देश से न निकालने के क्या कारण हैं ?

गृह-कार्य मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) दो पाकिस्तानियों से पकड़े गये दो पिस्तौल और कारतूस क्रमशः स्पेन और फ्रांस के बने थे।

(ख) इनके विरुद्ध कानून के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

नक्सलबाड़ी आन्दोलन के उग्रवादियों से हथियारों की बरामदगी

9448. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या **गृह-कार्य** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गत नक्सलबाड़ी आन्दोलन में उग्रवादी आन्दोलनकारियों द्वारा लूटे गये हथियारों में से उन से कुछ हथियार बरामद कर लिये गये हैं;

(ख) यदि हां, तो कितने हथियार बरामद किये गये हैं; और

(ग) इस सम्बन्ध में कितने व्यक्ति गिरफ्तार किये गये हैं तथा उनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है ?

गृह-कार्य मन्त्रालय में उप-मन्त्री (श्री के० एस० रामास्वामी) : (क) जी हां, श्रीमान।

(ख) नौ बन्दूकें बरामद की गई हैं।

(ग) दस व्यक्ति इस कारण से गिरफ्तार किए गये थे तथा उनके विरुद्ध मामले अनिर्णीत पड़े हैं।

पर्यटकों के लिये साहित्य

9449. **श्री ओ० प्र० त्यागी** : क्या **पर्यटन तथा असैनिक उड्डयन** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को पता है कि पर्यटकों के मार्ग-दर्शन और प्रोत्साहन के लिये अधिकतर पर्यटक केन्द्रों में उपयुक्त पर्यटक साहित्य उपलब्ध नहीं होता है और गैर-सरकारी लोगों ने (मार्ग-दर्शक पुस्तिकाएं) प्रकाशित की हैं, जिन की भाषा असम्बद्ध तथा अशिष्ट है और जो भद्दे तथा सस्ते कागज पर प्रकाशित की गई है तथा बहुत ऊंचे दामों पर बेची जाती हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार प्रत्येक पर्यटक केन्द्र के लिये सुन्दर आकर्षक और सस्ती मार्गदर्शक पुस्तिकायें प्रकाशित करने का है; और